ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय कामेश्वरनगर, दरभंगा

पी-एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध-प्रारूप

विषय : ललित आ फणीश्वरनाथ 'रेणु'क कथाक तुलनात्मक अध्ययन ।

गवेषक : पवन कुमार महतो

विषय : मैथिली

संकाय : मानविकी

भाषा : मैथिली

विश्वविद्यालय: ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय कामेश्वरनगर, दरभंगा।

शोध-निर्देशक : डॉ. सुरेश पासवान

शोध-निर्देशक

Paswan 03.04.24

(डॉ. सुरेश पासवान)

सहायक प्राचार्य

मैथिली विभाग,

चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालय,

दरभंगा ।

सम्प्रति -

विश्वविद्यालय मैथिली विभाग,

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय

कामेश्वरनगर, दरभंगा ।

गवेषक

Pavan Kr. Mahto 03.04.24

(पवन कुमार महतो)

यू.जी.सी.नेट- जे.आर.एफ.

BR04000070

पैट क्रमांक – **E2211006**

ग्राम – नवादा

पो.+थाना - मधेपुर

जिला - मधुबनी

पिन कोड – **847408**

शोध-प्रारूप

ललित आ फणीश्वरनाथ 'रेणु'क कथाक तुलनात्मक अध्ययन

प्रस्तावना -

'मैथिली' आ 'हिन्दी' साहित्यमे ललितेश मिश्र 'ललित' आ फणीश्वरनाथ 'रेणु' दुनू सामाजिक कथाकारक रूपमे सुविख्यात छथि । दुनू साहित्यकार 'मिथिला'क सामाजिक जीवनक चित्रण अपन-अपन 'कथा-साहित्य'मे कयने छथि । आजादीक बाद स्वतंत्र भारतक 'ग्राम्य-जीवन'मे बड्ड पैघ परिवर्तन आयल । एहि राष्ट्रक सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य बदलल । ई परिवर्तन संक्रमण कालक परिवर्तन छल, तेँ एहिमे सकारात्मक आ नकारात्मक दुनू पक्ष विद्यमान छल । ललित आ रेणु दुनू 'पक्ष'क विवेचन अपन-अपन 'कथा-साहित्य'मे आलोचनात्मक दृष्टिसँ प्रस्तुत कयने छथि । 'गाम' आ बदलैत 'समाज'केँ अपन-अपन जीवनक अनुभवसँ जोड़ि कऽ संवेदन, चरित्र आओर शिल्प केर नव-नव आयामसँ जोड़बाक प्रयास कयने छथि । प्रस्तुत शोध तैयार करबाक पाछाँ हमर एक मात्र उद्देशय अछि जे दुनू साहित्यकारक 'कथा-साहित्य'मे समानता-असमानताक दृष्टिक तुलनात्मक अध्ययन कऽ दुनू रचनाकारक 'कथा-साहित्य'क विशेषताक 'महत्व'केँ जानब, परखब ।

महत्त्व -

'ललित' आ 'रेणु'क 'कथा-साहित्य'क प्रसंग भिन्न-भिन्न पक्ष पर कतेको शोध-कार्य भेल अछि । दुनूक 'कथा-साहित्य'क विविध समस्या पर आओर समग्र रूपेँ मूल्यांकन कयल गेल अछि । मुदा, आइ धरि ललित आ रेणुक 'कथा-साहित्य'केँ सोझा राखि कऽ एक-दोसराक परिप्रेक्ष्यमे मूल्यांकन करबाक प्रयास नहि कयल गेल अछि, तेँ ई विषय सर्वथा नवीन अछि । एक कोटिक दुनू साहित्यकारक 'कथा'क तुलनात्मक अध्ययन आवश्यक छल, किएक तऽ जखन दुनूक 'ककथाकारक चर्चा 'सामाजिक' कथाकारक रूपमे कयल जाइत अछि तऽ दुनू कथाकार बीचक अन्तर की अछि ? एहि बात

Pawan Kr. Mahto
03.04.24

दिस विद्‌वान सभ आकर्षित होइत रहलाह । एहि दृष्टिसँ ई 'शोध-विषय' सार्थक होयत ।

उद्‌देशय -

'ललित' आ 'रेणु'क समग्र 'कथा-साहित्य'क अध्ययनसँ विदित होइत अछि जे ई दुनू अपन-अपन रचनात्मकताक कारणेँ साहित्य मध्य सामाजिक कथाकारक रूपमे प्रतिष्ठित होइत छथि । ललित आ रेणु 'हिन्दी' साहित्यक सुप्रसिद्ध सामाजिक कथाकार प्रेमचन्दक बादक कथाकार छथि । मुदा रेणुक 'कथा-साहित्य'मे मात्र समाज विशेषक वर्णनने टा नहि, अपितु सामाजिकता प्रेमचन्द जकाँ सम्पूर्ण भारतक अछि । ललित आ रेणु एहन कथाकार छथि जे जिनक कथामे सामाजिक जीवनक परिवर्त्तन केर मूल तथ्य उद्‌घाटित अछि । हिनका सभक दृष्टि एक्के छल मुदा, जतए रेणु स्वातन्त्र्योत्तर भारतक विविध क्षेत्रमे जे परिवर्तन भऽ रहल छल, तकरा अपन 'कथा-साहित्य'मे चित्रित कयलनि ओतहि ललित अपन 'कथा-साहित्य'मे मिथिलाक समाजक चित्रण कयलनि । दुनू साहित्यकार अपन-अपन 'कथा-साहित्य'मे आलोचनात्मक दृष्टिसँ सकारात्मक एवं नकारात्मकताकेँ प्रस्तुत कयने छथि । हम अपन शोधमे यैह सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्षकेँ नीक जकाँ रखबाक प्रयास करब, जाहिसँ ई 'शोध-प्रबंध' आगाँ चलि कऽ वृहत 'शोध-कार्य'मे सहायक सिद्‌ध होयत ।

शोधक प्रविधि आ कार्यप्रणाली -

'ललित' आ 'रेणु'क समग्र 'कथा-साहित्य'क अध्ययन तुलनात्मक दृष्टि सँ कयल जायत । कथा साहित्यसँ संबंधित लगभग सभ पक्ष पर समान-असमान तथ्यक विस्तृत अध्ययन कएल जायत । दुनूक 'कथा-साहित्य'मे समाजक 'प्रवृति'क विश्लेषण कयल जायत । दुनू कथाकारक 'कथा-साहित्य'मे प्रस्तुत मिथिलाक समस्या सभक विस्तृत अध्ययनक संग समाधानक दिशामे कयल गेल प्रयाससकेँ रेखांकित कयल जायत । दुनू रचनाकारक 'कथा-साहित्य'मे प्रस्तुत कोन-कोन मुद्‌दा/समस्याकेँ प्रधानता देल गेल अछि तथा एकरा कोन तरहेँ प्रस्तुत कयल गेल अछि, तकरो विस्तृत चर्चा कयल जायत । दुनू कथाकार अपन-अपन 'कथा-साहित्य'मे जाहि

Pawan Kr. Mahto
03.04.24

'शिल्प'क प्रयोग कयने छथि, तकर चर्चा विस्तारसँ कयल जायत । संगहिँ दुनू कथाकारक 'कथा-साहित्य'केर उपलब्धि एवं महत्त्वक उद्घाटन तुलनात्मक दृष्टिसँ कयल जायत | सामाजिक चित्रण दुनू कथाकारक 'कथा-साहित्य'क सभसँ पैघ विशेषता अछि । सामाजिक चित्रणक विविध पक्षकेँ हम रचनाकारक दृष्टिएँ रेखांकित करबाक प्रयास करब । एहि तरहेँ ललित आ रेणुक समग्र 'कथा-साहित्य'क महत्त्वपूर्ण समस्याक मूल्यांकन सम्यक रूपसँ प्रयास कयल जायत । हमरा जनैत दुनू कथाकारक 'कथा-साहित्य'केर तुलनात्मक दृष्टिसँ ई शोध-कार्य मैथिलीमे आरम्भिक प्रयास अछि ।

शोधक स्रोत -

एहि शोध-कार्यक लेल दुनू रचनाकारक संक्षिप्त परिचय, पारिवारिक परिवेश, शिक्षा-दीक्षा, व्यक्तिगत परिवेशकेँ जानब/परखब । 'मैथिली' एवं 'हिन्दी'क विभिन्न 'पत्र-पत्रिका'क संधान करब । दुनू कथाकारक पर लिखल गेल समीक्षात्मक/आलोचनात्मक 'आलेख'/'पोथी'क अध्ययन करब । दुनू रचनाकार पर एहिसँ पूर्व भेल अनुसंधान-कार्यक अध्ययन करब । ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय मैथिली विभागक पुस्तकालय, केन्द्रीय पुस्तकालय, कमेश्ववर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालयक केन्द्रीय पुस्तकालय, चेतना समिति पटनाक पुस्तकालय, आदिक अध्ययन करब ।

तत्काल एहि 'शोध-प्रबंध'कें निम्न अध्यायमे विभक्त करबाक योजना बनाओल गेल अछि । मुदा, अनुसंधान कार्य सम्पादनक क्रममे एहिमे परिवर्त्तन-परिवर्धनक संभावना भऽ सकैत अछि । सम्प्रति सम्भावित अध्यायक विभाजन एहि प्रकारेँ अछि -

पहिल अध्याय -

(1) ललित आ रेणुक 'जीवन' ओ 'साहित्य' ।

दोसर अध्याय -

(2) ललित आ रेणुक 'कथा-साहित्य'क 'विषय-वस्तु' |

तेसर अध्याय -

Pawan Kr. Mahto
03.04.24

(3) ललित आ रेणुक 'कथा-साहित्य'क 'भाषा' एवं 'शिल्प' ।

चारिम अध्याय -

(4) ललित आ रेणुक 'कथा-साहित्य'मे 'समाज' ।

पाँचम अध्याय -

(5) ललित आ रेणुक 'कथा-साहित्य'मे 'समस्या' आ 'समाधान' मूलक 'तथ्य' ।

उपसंहार

परिशिष्ट

'शोध-प्रबंध'क अध्यायक संक्षिप्त स्वरूप -

पहिल अध्यायमे ललित आ रेणुक जन्म, पारिवारिक पृष्ठभूमि, शिक्षा, दुनू लेखकक व्यक्तित्व, राजनीतिक-जीवन, जीवन, स्वास्थ्य, समाज, साहित्य तथा राजनीतिक संबंधित, दुनू लेखकक विचार, लेखन प्रक्रिय, प्रेरणा-स्रोत, आदिक संबंधमे लिखबाक प्रयास करब तथा 'मैथिली' एवं 'हिन्दी'क 'कथा-साहित्य'क विकासकेँ रेखांकित करैत 'साहित्यिक' क्षेत्रमे दुनू रचनाकारक प्रवेश कोन परिस्थितिमे भेल तकर विस्तृत चर्चा करबाक प्रयास करब । 'कथा-साहित्य'क विकासक सुविधा लेल दुनू 'भाषा'केँ काल-खण्डमे बाँटि कऽ 'कथा-वस्तु', 'शिल्पगत' प्रवृति सभक विकास कोन प्रकारेँ भेल तकरा देखेबाक प्रयास करब ।

दोसर अध्यायमे सम्पूर्ण 'कथा'क संक्षिप्त 'विषय-वस्तु'केँ देखेबाक प्रयास करब । प्रस्तुत 'कथा'मे समस्याकेँ देखेबाक प्रयास करब । दुनू रचनाकारक 'कथा-साहित्य'मे समस्या सभक समान-असमान प्रवृतिकेँ देखेबाक प्रयास करब ।

तेसर अध्यायमे दुनू रचनाकारक 'कथा-साहित्य'मे प्रस्तुत 'भाषा' एवं 'शिल्प'क अध्ययन कऽ दुनूक 'कथा-साहित्य'क भाषा, शिल्पक समान-असमान प्रवृति सभकेँ निकर्षक रूपमे देखेबाक प्रयास करब ।

Pawan Kr. Mahto
03.04.24

चारिम अध्यायमे दुनू रचनाकारक 'कथा-साहित्य'मे प्रस्तुत सामाजिक जीवनकेँ व्यवस्थित कए देखेबाक प्रयास करब एवं समाजक विभिन्न 'पक्ष'क अध्ययन कऽ ओहिमे समान-असमान प्रवृतिकेँ निष्कर्षक रूपमे देखेबाक प्रयास करब ।

पाँचम अध्यायमे दुनू रचनाकारक 'कथा-साहित्य'मे प्रस्तुत समस्याक अध्ययन कऽ प्रस्तुत समस्याक समाधान देखाओल जायत, ओहिमे समान-असमान प्रवृतिकेँ देखेबाक प्रयास करब ।

उपसंहार -

एहिमे पाँचो अध्यायमे कयल गेल विवेचन, विश्लेषणक समाहार प्रस्तुत करबाक प्रयास करब । एहिसँ 'शोध-प्रबंध'क महत्त्व, वैशिष्ट्य, प्रयोजन एवं उपादेयता सिध्द होयत ।

परिशिष्ट

अधीतग्रंथक सूची -

मैथिली -

1. ललित, प्रतिनिधि, मैथिली ग्रंथमाला प्रकाशन, दरभंगा : 1964.
2. आनंद, विभूति, ललित(बिनिबंध), साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली : 2004.
3. आनन्द, विभूति, ललित समग्र, मैथिली अकादमी, पटना : 2012.
4. झा, डॉ० श्री अमरनाथ, आधुनिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि, अमृत प्रकाशन, दरभंगा : 1994.
5. ठाकुर, वीणा, इतिहास दर्पण, प्रकाशक - श्री राम रतन झा, दरभंगा : 2008.
6. ठाकुर, डॉ० उपेन्द्र, मिथिलाक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना, तृतीय संस्करण : 2011.
7. मिश्र, 'अमर', पं. चंद्रनाथ, मैथिली पत्रकारितक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना, द्वितीय संस्करण : 2011.

Pawan Kr. Mahto
03.04.24

8. झा, दिनेश कुमार, मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना, चतुर्थ संस्करण : 2012.

9. मिश्र, मायानन्द, मैथिली साहित्यक इतिहास, किसुन संकल्प लोक, सुपौल : 2014.

10. मिश्र, जयकांत, मैथिली साहित्यक इतिहास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, पुनर्मुद्रण : 2015.

11. झा, 'श्रीश', डॉ० दुर्गानाथ, मैथिली साहित्यक इतिहास, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना, पाँचम संस्करण : 2023-24.

12. आनन्द, विभूति, श्री ललित आ हुनक कथा-यात्रा, भारती संस्थान, पटना : 1982.

13. सं.- देवी, कामाख्या, मैथिली कथा धारा, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली : 1982.

14. झा, डॉ० भीमनाथ, परिचायिका, भवानी प्रकाशन, पटना, द्वितीय संस्करण : 1985.

15. सं.- झा, चेतकर, मैथिली कथा-साहित्य, मैथिली अकादमी, पटना : 1986.

16. झा, अरविन्द कुमार सिंह, साहित्यश्री, हरिनन्दन प्रकाशन, मनीगाछी : 1992.

17. झा, 'रमण', डॉ० रमानन्द, अखियासल, अखियासल प्रकाशन, मधुबनी : 1995.

18. प्रसाद, डॉ० मेघन, मैथिली कथा-कोश, पूनम प्रकाशन, समस्तीपुर : 1996.

19. भारद्वाज, मोहन, मैथिली गद्यक विकास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली :1996.

Pawan Kr. Mahto
03.04.24

20. झा, 'रमण', डॉ० रमानन्द, बेसाहल, अखियासल प्रकाशन, मधुबनी : 2008.

21. झा, डॉ० रमण, भिन्न-अभिन्न, सुमन प्रकाशन, मधुबनी : 2008.

22. चौधरी, डॉ० उषा, आधुनिक मैथिली साहित्य:एक विवेचन, सोनल प्रकाशन, दरभंगा : 2014.

23. सं.- झा, 'रमण', डॉ० रमानन्द, मैथिली कथाक समाज:भाषा एवं शिल्प, चेतना समिति, पटना : 2016.

24. सं.- झा, 'रमण', डॉ० रमानन्द, मैथिली कथाक धाप, अखियासल प्रकाशन, मधुबनी : 2020.

25. सं.- पाठक, डॉ० अमरेश, भारद्वाज, श्री मोहन, कथा-संग्रह, मैथिली अकादमी, पटना, चतुर्थ संस्करण : 2020.

हिन्दी -

1. सं.- यायावर, भारत, फणीश्वरनाथ 'रेणु' की श्रेष्ट कहानियाँ, नेशनल बुक ट्रष्ट, नयी दिल्ली : 1992.

2. अनु.- वर्मा, शेफालिका, फणीश्वरनाथ रेणु(बिनिबंध), साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली : 1995.

3. 'रेणु', फणीश्वरनाथ, मेरी प्रिय कहानियाँ, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली, संस्करण : 2015.

4. 'रेणु', फणीश्वरनाथ, अगिनखोर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, चौथा संस्करण : 2020.

5. सं.- भारत, यायावर, अच्छे आदमी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, दसवाँ संस्करण : 2020.

6. यायावर, भारत, रेणु रचनावली(पाँचों खण्ड), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सातवाँ संस्करण : 2021.

Pawan Kr. Mahto
03.04.24

7. 'रेणु', फणीश्वरनाथ, एक श्रावणी दोपहरी की धूप, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, छठा संस्करण : 2020.

8. 'रेणु', फणीश्वरनाथ, ठुमरी, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली, दसवाँ संस्करण : 2022.

9. 'रेणु', फणीश्वरनाथ, आदिम रात्रि की महक, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पेपरबैक्स संस्करण : 2022.

10. 'रेणु', फणीश्वरनाथ, सम्पूर्ण कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, छठा संस्करण : 2022.

11. 'रेणु', फणीश्वरनाथ, *10*प्रतिनिधि कहानियाँ, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, पेपरबैक संस्करण : 2023.

12. 'रेणु', फणीश्वरनाथ, प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सत्रहवाँ संस्करण : 2023.

13. सिंह, बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद : 1978.

14. शुक्ल, रामचन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, भार्गव पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद : 1997.

15. स्नातक, विजयेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, नवीन संस्करण : 2022.

16. अवस्थी, देवशंकर, नयी कहानी:संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली : पटना : 1973.

17. कौल, हरिकृष्ण, फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कहानियाँ:शिल्प और सार्थकता, पराग प्रकाशन, दिल्ली : 1989.

18. सिन्हा, विद्या, स्वातन्त्र्योत्तर कहानी का परिदृश्य और फणीश्वर नाथ रेणु की कहानियाँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली : 2003.

Pawan Kr. Mahto
03.04.24

19. यायावर, भारत, रेणु का है अन्दाजे-बयाँ और, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली : पटना : इलाहाबाद : कोलकाता : 2013.

20. सं०- कुमार संजीव, मिश्रा, मनीष कुमार, फणीश्वरनाथ 'रेणु' का सम्पूर्ण कथा-साहित्य, प्रलेक प्रकाशन प्रा.(लि.), महाराष्ट्र : 2021.

शोध-निर्देशक

Pasvan 03.04.24

(डॉ. सुरेश पासवान)

सहायक प्राचार्य

मैथिली विभाग,

चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालय,

दरभंगा ।

सम्प्रति -

विश्वविद्यालय मैथिली विभाग,

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय

कामेश्वरनगर, दरभंगा ।

गवेषक

Pawan Kr. Mahto 03.04.24

(पवन कुमार महतो)

यू.जी.सी.नेट-जे.आर.एफ.

BR04000070

पैट क्रमांक – **E2211006**

ग्राम – नवादा

पो.+थाना - मधेपुर

जिला - मधुबनी

पिन कोड – **847408**